भारत में प्रमुख क्षेत्रों का डीकार्बोनाइज़ेशन

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

सामाजिक एवं आर्थिक प्रगति केंद्र (CSEP) और [अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)](#) के हालिया अध्ययन के अनुसार, भारत को वर्ष 2030 तक **ऊर्जा, इस्पात, सीमेंट और सड़क परिवहन क्षेत्रों** का **डीकार्बोनाइज़ेशन** करने के लिये **467 बिलियन अमेरिकी डॉलर** की आवश्यकता होगी। ये क्षेत्र **CO2 उत्सर्जन** में 50% से अधिक का योगदान करते हैं।

मुख्य क्षेत्रों का डीकार्बोनाइज़ेशन

क्षेत्र	अतिरिक्त वित्तपोषण एवं प्रमुख डीकार्बोनाइज़ेशन उपाय
इस्पात (Steel)	251 बिलियन अमेरिकी डॉलर, [कार्बन कैप्चर एवं स्टोरेज (CCS)](#), ग्रीन हाइड्रोजन की ओर बदलाव, ऊर्जा दक्षता।
सीमेंट (Cement)	141 बिलियन अमेरिकी डॉलर, CCS, वैकल्पिक ईंधन, क्लिंकर प्रतिस्थापन।
ऊर्जा/विद्युत (Electricity)	47 बिलियन अमेरिकी डॉलर, **नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार (सौर, पवन), ग्रिड का आधुनिकीकरण।**
सड़क परिवहन (Road Transport)	18 बिलियन अमेरिकी डॉलर, विद्युत वाहन, जैव ईंधन, चार्जिंग अवसंरचना।

डीकार्बोनाइज़ेशन और भारत का लक्ष्य

- **डीकार्बोनाइज़ेशन:** वैश्विक तापमान को कम करने और नेट-ज़ीरो उत्सर्जन हासिल करने के लिये CO_2 उत्सर्जन में व्यवस्थित कमी लाना।
  - केवल इस्पात, सीमेंट और ऊर्जा क्षेत्रों का डीकार्बोनाइज़ेशन करके ही वर्ष 2030 तक लगभग **6.9 बिलियन टन CO_2 उत्सर्जन** को कम किया जा सकता है।
- **भारत के वर्ष 2030 डीकार्बोनाइज़ेशन लक्ष्य: ग्लासगो** में आयोजित **COP26 (2021)** में भारत ने अपनी **पंचामृत (Panchamrit)** जलवायु कार्ययोजना प्रस्तुत की, जिसमें पाँच प्रमुख लक्ष्य शामिल हैं:
  - वर्ष 2030 तक **500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता** हासिल करना।
  - वर्ष 2030 तक ऊर्जा आवश्यकता का **50% नवीकरणीय स्रोतों** से पूरा करना।
  - वर्ष 2030 तक **1 बिलियन टन CO_2 उत्सर्जन में कमी** लाना।
  - वर्ष 2030 तक **कार्बन तीव्रता में 45% की कटौती** करना।
  - वर्ष 2070 तक **नेट-ज़ीरो उत्सर्जन** का लक्ष्य हासिल करना।
- **प्रगति:**
  - भारत ने अपना **गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता लक्ष्य वर्ष 2024 में ही हासिल कर लिया**, जो **निर्धारित समय (2030) से पाँच वर्ष पहले** है। कुल 484.82 गीगावाट स्थापित क्षमता में से **242.78 गीगावाट (लगभग 50%)** गैर-जीवाश्म स्रोतों से है।
  - भारत ने वर्ष 2030 तक **2.5-3 बिलियन टन** कार्बन सिंक स्थापित करने का संकल्प लिया है। वर्ष 2021 तक भारत पहले ही **2.29 बिलियन टन** हासिल कर चुका था।
  - भारत ने वर्ष 2030 तक **उत्सर्जन तीव्रता में 45% कमी** का लक्ष्य रखा था, जिसमें से वर्ष 2020 तक पहले ही **36% उत्सर्जन तीव्रता कमी** प्राप्त की जा चुकी थी।

और पढ़ें: [भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र का डीकार्बोनाइज़ेशन](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/decarbonising-key-sectors-in-india